Research Paper | Education | E-ISSN No : 2454-9916 | Volume : 10 | Issue : 4 | April 2024

स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव का अध्ययन

दीप्ति श्रीवास्तव[1], ड॰ निशा श्रीवास्तव[2], ड॰ पुष्पलता शर्मा[3]

[1] शोध छात्रा, केंद्रः कल्याण पी. जी. कॉलेज, दुर्ग
[2] प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, घनश्याम सिंह आर्यकन्या महाविद्यालय, दुर्ग
[3] पूर्व प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, कल्याण पी. जी. कॉलेज, दुर्ग

ABSTRACT

विद्यार्थी प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक पारिवारिक, शैक्षिक और सामाजिक परिवेश के परिवर्तनों के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हुए अपना अध्ययन पूरा करता है। शिक्षा विद्यार्थियों की बौद्धिक शक्ति को मजबूत करने, भावनात्मक संतुलन बनाने, उन्हें नैतिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाने में सहायता करती है और उनकी जीवनशैली को दिशा प्रदान करती है। यह विद्यार्थियों में वृत्तिक जागरूकता भी विकसित करती है। महाविद्यालय की शिक्षा के दौरान विद्यार्थी व्यावसायिक जीवन के विकल्पों के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण बनाने लगते हैं। अपनी वृत्तिक निर्णय क्षमता के कारण वे अध्ययन के लिए उपयुक्त विषयों का भी चयन करते हैं और अच्छे शैक्षिक प्रदर्शन को महत्व देते हैं। दुर्ग जिले के स्नातक प्रथम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर किया गया यह शोध शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव से संबंधित है। स्तरीकृत यादृच्छिक विधि के अंतर्गत 10 महाविद्यालयों से चयनित 600 विद्यार्थियों के न्यादर्श पर किया गया यह अध्ययन जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता की वैध एवं विश्वसनीय प्रामाणिक मापनियों का उपयोग करता है। इन मापनियों से प्राप्त मूल्यों के आधार पर विद्यार्थियों को जीवनशैली के दो (उच्च, निम्न) और वृत्तिक निर्णय क्षमता के दो (उच्च, निम्न) समूहों में बाँटकर उनकी शैक्षिक उपलब्धि का 2*2 द्विदिशीय प्रसरण विश्लेषण किया गया। f–परीक्षण के परिणामों में जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का शैक्षिक उपलब्धि पर मुख्य प्रभाव सार्थक पाया गया, जबकि इनका अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया गया। समूहों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान और मानक विचलन के अध्ययन में उच्च जीवनशैली और उच्च वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न जीवनशैली और निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों से बेहतर पाई गई।

KEYWORDS: स्नातक, जीवनशैली, वृत्तिक निर्णय क्षमता, शैक्षिक उपलब्धि

भूमिका

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि व्यक्तिगत और परवेशजन्य दोनों प्रकार के कारकों से प्रभावित होती है। व्यक्तिगत कारकों में जीवनशैली से सम्बद्ध स्वास्थ्य सजगता, शैक्षिक और सामाजिक उन्मुखता तथा नव प्रचलनों के प्रति उनके रुझान, पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी इत्यादि प्रमुख हैं। इनके अलावा, अन्य व्यक्तिगत कारकों में विद्यार्थियों की वृत्तिक सजगता, व्यावसायिक आकांक्षाएं एवं स्पष्ट वृत्तिक निर्णय लेने की क्षमता भी उनके शैक्षिक प्रदर्शन को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। परिवेश से जुड़े कारकों में पारिवारिक सहयोग, संसाधनों तक पहुँच, सामाजिक–आर्थिक विषमताएं और शैक्षिक तथा वृत्तिक विकल्पों का निर्धारण करने वाले सांस्कृतिक तथा सामाजिक मानदंड मुख्य हैं, जो उनकी शैक्षिक उपलब्धि एवं वृत्तिक दिशा को प्रभावित करते हैं। शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले उपर्युक्त कारक परस्पर जटिल क्रिया कर सकते हैं और अलग–अलग विद्यार्थियों पर अलग–अलग प्रभाव डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी की सामाजिक–आर्थिक स्थिति शैक्षिक संसाधनों तक उसकी पहुँच और उसे मिलनेवाले पारिवारिक समर्थन को प्रभावित कर सकती है और ये दोनों मिलकर उनकी शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित कर सकते हैं।

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के व्यावसायिक विचार उनकी जीवनशैली पर असर डालते हैं। साथ ही शिक्षा में नवीन तकनीक का समावेश और बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा से भी विद्यार्थियों की जीवनशैली प्रभावित होती है। संसाधनों के अभाव और अपनी आर्थिक सीमा के कारण वे अपने भविष्य के बारे में चिंतित और अनिश्चित रहते हैं और वृत्तिक विकल्पों के चुनाव में उन्हें निर्णय–अनिर्णय के द्वन्द्व से गुजरना पड़ता है। इससे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी प्रभावित होती है। उनके लिए जीवनशैली, वृत्तिक भविष्य की योजना और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संतुलन बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है। आज की युवा पीढ़ी के लिए जीवन के इन महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित समस्याओं का निदान आवश्यक है। जीवनशैली और इसको प्रभावित करनेवाले कारकों से संबंधित कई शोध उपलब्ध हैं और वृत्तिक निर्णय या अनिर्णय के कारणों की पहचान करने वाले भी कई अध्ययन हैं। लेकिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर इनके संयुक्त प्रभाव की जाँच करनेवाले अध्ययन कम हैं। यही कारण है कि स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़नेवाले परस्पर प्रभाव के अध्ययन को प्रस्तुत शोध के मुख्य उद्देश्य के रूप में लिया गया है।

अध्ययन के चर

जीवनशैली

सामान्य अर्थों में जीवनशैली किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत एवं सामाजिक प्रस्तुतीकरण है, जो उसके विभिन्न क्रियाओं, विचारों, रुचियों और व्यवहारों में प्रदर्शित होती है। मनुष्य में स्वस्थ एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की कला उसके सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक और शैक्षिक वातावरण से प्रभावित होती है। विद्यार्थियों का जीवन प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक क्रमबद्ध रूप से बदलता जाता है। आवश्यकताओं के आधार पर चलने वाली उनकी दिनचर्या उनके द्वारा अपनाई गई जीवनशैली का प्रतिबिंब होती है। उनकी जीवनशैली अनुभवों, हितों और शैक्षिक परिणामों को प्रभावित करती है।

वृत्तिक निर्णय क्षमता

वृत्तिक निर्णय क्षमता किसी भी व्यक्ति के अपने रोजगार पथ के बारे में स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण निर्णय ले सकने की योग्यता है। अपने भावी व्यावसायिक जीवन के प्रति विद्यार्थी जो विचार बनाते हैं, वह उनकी वृत्तिक अवधारणा कहलाती है। जब विद्यार्थी परिस्थितियों के साथ सामंजस्य रखते हुए अपनी अभिक्षमता और रुचियों को ध्यान में रखकर अपने विवेक से वृत्ति संबंधी निर्णय ले सकता है तो यह विद्यार्थी की वृत्तिक निर्णय क्षमता कहलाती है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों द्वारा अपने विद्यार्थी जीवन में अर्जित ज्ञान और कौशल के माध्यम से प्राप्त की गई योग्यता है। सामान्यतः यह शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा अध्यापन सत्र के दौरान या उसकी समाप्ति पर किये जानेवाले प्रामाणिक आकलन और मूल्यांकन विधियों से प्राप्त अंकों के प्रतिशत या ग्रेड पॉइंट औसत के रूप में

Copyright© 2024, IERJ. This open-access article is published under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License which permits Share (copy and redistribute the material in any medium or format) and Adapt (remix, transform, and build upon the material) under the Attribution-NonCommercial terms.

व्यक्त किया जाता है।

- **संबंधित शोध अध्ययन की समीक्षा**

जीवनशैली

रोहित (2015) ने गुजरात के एक महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की जीवनशैली का तुलनात्मक अध्ययन किया। उनके अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि दोनों संकाय के विद्यार्थियों में कोई सार्थक अंतर नहीं है। कवि और वालवेकर (2020) ने उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली के प्रभाव का अध्ययन करते हुए यह निष्कर्ष पाया कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली का सार्थक प्रभाव पड़ता है। उनके अध्ययन में इस बात की पुष्टि हुई कि अस्वास्थ्यकर जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अच्छी नहीं होती है। भेड़ा (2023) ने लिंग और संकाय के आधार पर स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली का अध्ययन किया और कला और वाणिज्य संकाय के छात्रों और छात्राओं की जीवनशैली में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

वृत्तिक निर्णय क्षमता

कौर और राणा (2016) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की वृत्तिक निर्णय क्षमता और आत्म–दक्षता के संबंध का अध्ययन करते हुए यह पाया कि इनमें धनात्मक सह–संबंध है। भल्ला एवं सिंह (2018) ने अपने अध्ययन में युवाओं की वृत्तिक निर्णय क्षमता एवं आत्मविश्वास के मध्य सकारात्मक संबंध पाया। सनेबोयना एवं नेत्रवती (2018) ने गोवा के इन्टरमीडिएट कला के विद्यार्थियों की वृत्तिक निर्णय क्षमता का अध्ययन किया और पाया कि कला संकाय के छात्रों और छात्राओं की वृत्तिक निर्णय क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। करियप्पा एवं विश्वनाथप्पा (2021) ने मैसूर के उच्चतर विद्यालय के विद्यार्थियों के वृत्तिक निर्णय एवं अनिर्णय के मध्य संबंध पर अध्ययन कर यह पाया कि दोनों में सार्थक अंतर है। जिन विद्यार्थियों को वृत्ति से संबंधित किसी कुशलता की ट्रेनिंग दी जाती है उनका अनिर्णय कम होता है और निर्णय क्षमता उच्च होती है। शुभ्राज्योति (2023) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों की रोजगार संबंधी निर्णय क्षमता का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि छात्राओं की निर्णय क्षमता छात्रों की अपेक्षा अधिक है।

शैक्षिक उपलब्धि

गांगुली और अन्य (2016) ने स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, शैक्षिक दक्षता और समय प्रबंधन के मध्य अध्ययन किया। उनके अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शैक्षिक उपलब्धि का शैक्षिक दक्षता और समय प्रबंधन के साथ धनात्मक सह–संबंध है। व्यवस्थित समय प्रबंधन, बेहतर शैक्षिक दक्षता होने पर विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि बेहतर होती है। कुमार एवं तनखा (2020) ने किशोर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रेरणा एवं मनोवैज्ञानिक सामंजस्य के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रेरणा और मनोवैज्ञानिक सामंजस्य का सार्थक प्रभाव पड़ता है।

- **अध्ययन का उद्देश्य**

स्नातक विद्यार्थियों की **शैक्षिक उपलब्धि** पर **जीवनशैली** और **वृत्तिक निर्णय क्षमता** का मुख्य एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।

- **परिकल्पना**

$\mathbf{H_{0-}}$ स्नातक विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली (उच्च, निम्न) का मुख्य ($\mathbf{H_{0-1}}$), वृत्तिक निर्णय क्षमता (उच्च, निम्न) का मुख्य ($\mathbf{H_{0-2}}$) एवं इनके अंतःक्रियात्मक प्रभाव ($\mathbf{H_{0-3}}$) सार्थक नहीं पाया जाएगा।

- **न्यादर्श**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यार्थियों की उपर्युक्त जनसंख्या से 600 विद्यार्थियों का चयन स्तरीकृत, गैर आनुपातिक यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया है जिसमें प्रत्येक महाविद्यालय से 60 विद्यार्थी लिए गए।

- **शोध उपकरण**

जीवनशैली मापनी

जीवनशैली की माप के लिए बावा और कौर (2012) की मापनी LSS&BK का प्रयोग किया गया है। यह पैमाना 5 बिंदुओं वाले 60 लिकर्ट प्रश्नों की श्रृंखला से बना है। प्रश्नों के लिए 0 से 4 तक अंक निर्धारित हैं और अंक सीमा 0 से लेकर 240 तक है।

वृत्तिक निर्णय क्षमता मापनीः

वृत्तिक निर्णय क्षमता की मापनी CDMS&KS कौर, किरणदीप (2014) द्वारा निर्मित है। इसमें 3 बिंदुओं वाले 18 प्रश्नों की श्रृंखला है। प्रश्नों के लिए 1 से 3 तक अंक निर्धारित है और अंक सीमा 18 से 54 है।

शैक्षिक उपलब्धिः

विद्यार्थी की बारहवीं कक्षा का प्राप्तांक प्रतिशत लिया गया।

- **सांख्यिकीय विश्लेषण**

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि (आश्रित चर) पर उनकी जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव के अध्ययन के लिए शैक्षिक उपलब्धि का जीवनशैली के समूहों (उच्च, निम्न) और वृत्तिक निर्णय क्षमता के समूहों (उच्च, निम्न) के आधार पर 2X2 (जीवनशैली X वृत्तिक निर्णय क्षमता) द्विकारकीय अभिकल्प का उपयोग कर प्रसरण विश्लेषण किया गया। जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के अंकों के आवृत्ति वितरण में यह पाया गया कि माध्यिका वाले वर्ग को स्पष्ट रूप से उच्च या निम्न वर्ग में रखना संभव नहीं था। इस मध्यस्थ वर्ग के आंकड़ों को विश्लेषण में प्रयोग में नहीं लाया गया और स्पष्ट रूप से उच्च और निम्न समूहों में रखे गए 506 आंकड़ों को विश्लेषण के लिए लिया गया। चूँकि इस अवलोकनात्मक अध्ययन में चरों को नियंत्रित नहीं किया गया, इसलिए प्रसरण विश्लेषण असंतुलित समूहों पर आधारित था। SPSS की सहायता से असंतुलित प्रसरण विश्लेषण से प्राप्त F–मान के आधार पर शून्य परिकल्पना का परीक्षण किया गया। प्रसरण विश्लेषण के साथ ही जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के आधार पर बने समूहों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना के लिए मध्यमान और मानक विचलन के मूल्य भी प्राप्त किये गए।

- **प्रदत्तों का विश्लेषण एवं निष्कर्ष**

शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभावों के द्विकारकीय अध्ययन में आंकड़ों के प्रसरण विश्लेषण से जो परिणाम प्राप्त हुए उन्हें यहाँ सम्बद्ध परिकल्पनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया है।

प्रसरण स्रोत	वर्गों का योग	स्वतंत्रता की कोटि	मध्यमान वर्ग–योग	F अनुपात
जीवनशैली	7267.603	1	7267.603	148.596**
वृत्तिक निर्णय क्षमता	6445.684	1	6445.684	131.791**
जीवनशैली ' वृत्तिक निर्णय क्षमता	172.092	1	172.092	3.519
त्रुटि	24552.046	502	48.908	
कुल योग	2557957.000	506		
** = 0-01 सार्थकता स्तर				

तालिका क्रमांक 1

शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली एवं वृत्तिक निर्णय क्षमता के प्रभाव के संदर्भ में प्रसरण विश्लेषण का सारांश

$\mathbf{H_{0-1}}$ स्नातक विद्यार्थियों के **शैक्षिक उपलब्धि** पर **जीवनशैली** का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार जीवनशैली के लिए प्राप्त F–मान, df(1, 502) सार्थकता स्तर 0.01 पर सारणी मान से अधिक होने के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी जीवनशैली का मुख्य प्रभाव **सार्थक** पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना $\mathbf{H_{0-1}}$ **अस्वीकृत** हुई। शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों की तालिका क्रमांक 2 से यह स्पष्ट है कि उच्च जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च और निम्न जीवनशैली वाले विद्यार्थियों की निम्न पायी गई।

प्रसरण स्रोत	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
जीवनशैली	उच्च	253	74.355	7.444
	निम्न	253	66.230	7.539

तालिका क्रमांक 2

जीवनशैली के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमान और मानक विचलन का सारांश

H_{0-2} स्नातक विद्यार्थियों के **शैक्षिक उपलब्धि** पर **वृत्तिक निर्णय क्षमता** का मुख्य प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार वृत्तिक निर्णय क्षमता के लिए प्राप्त F–मान, df(1, 502) सार्थकता स्तर 0.01 पर सारणी मान से अधिक होने के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनकी वृत्तिक निर्णय क्षमता का मुख्य प्रभाव **सार्थक** पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना H_{0-2} **अस्वीकृत** हुई। शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों की तालिका क्रमांक 3 से यह स्पष्ट है कि उच्च वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च और निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों की निम्न पायी गई।

प्रसरण स्रोत	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन
वृत्तिक निर्णय क्षमता	उच्च	249	74.118	7.511
	निम्न	257	66.466	7.471

तालिका क्रमांक 3

जीवनशैली के आधार पर शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान और मानक विचलन का सारांश

H_{0-3} स्नातक विद्यार्थियों के **शैक्षिक उपलब्धि** पर **जीवनशैली** और **वृत्तिक निर्णय क्षमता** का अंतःक्रियात्मक प्रभाव सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार प्राप्त F–मान, df(1, 502) सार्थकता स्तर 0.05 पर सारणी मान से कम होने के कारण प्रसरण विश्लेषण में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का द्विकारकीय अंतःक्रियात्मक प्रभाव **सार्थक नहीं** पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना H_{0-3} **स्वीकृत** हुई। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर जीवनशैली का प्रभाव उच्च एवं निम्न वृत्तिक निर्णय क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए सार्थक रूप से भिन्न नहीं पाया गया। ये दोनों चर परस्पर स्वतंत्र रूप से शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव डालते हैं।

- **निष्कर्ष**

स्नातक विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता दोनों का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है। ये दोनों चर स्वतंत्र रूप से छात्रों के शैक्षिक उपलब्धियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन, जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय लेने की क्षमता के बीच द्वि–कारकीय परस्पर अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। इससे पता चलता है कि इन दोनों चरों का अलग–अलग सार्थक प्रभाव शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करते हैं। लेकिन जीवनशैली का प्रभाव वृत्तिक निर्णय क्षमता के आधार पर नहीं बदलता है, अर्थात शैक्षिक उबलब्धि पर उनका अंतःक्रियात्मक प्रभाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं है। जीवनशैली के उच्च और वृत्तिक निर्णय क्षमता के उच्च स्तर वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उलब्धियों के मध्यमान अधिक पाए गए जो इस बात का द्योतक है कि विद्यार्थियों की जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता का उच्च होने से उनकी शैक्षिक उपलब्धि बेहतर होती है।

- **शैक्षिक उपादेयता**

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु जीवनशैली और वृत्तिक निर्णय क्षमता संबंधी कारकों को व्यापक रूप से समझकर शिक्षक, अभिभावक और शिक्षा संबंधी नीति निर्माता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जीवनशैली में संतुलन से विद्यार्थी अपने विवेक, अपनी क्षमता, कौशल और योग्यता में विकास कर अपने अध्ययन को सकारात्मक दिशा देने में सक्षम हो पाएगा। विद्यार्थियों की सफल जीवनशैली और श्रेष्ठ शैक्षिक उपलब्धि में माता–पिता का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शैक्षिक गतिविधियों में वृत्तिक जागरूकता कार्यक्रम का समावेश किया जाना चाहिए ताकि छात्रों को विभिन्न प्रकार के व्यवसायों की जानकारी प्राप्त हो सके। व्यापक वृत्तिक मार्गदर्शन सेवाओं के लिए संसाधन आबंटित किए जाने चाहिए और इस बात की व्यवस्था की जानी चाहिए कि ये संसाधन जरूरतमन्द विद्यार्थियों तक पहुँचें। विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बेहतर करने में नीति निर्माताओं के द्वारा पाठ्यक्रम के अलावा पाठ्येतर गतिविधियों, जैसे शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और योग शिविर, अन्य कौशलों के विकास एवं ज्ञान–वर्धन हेतु शैक्षिक भ्रमण, प्रतिष्ठित संस्थाओं के अवलोकन कार्यक्रम, शैक्षिक संस्थानों में विषय–विशेषज्ञों के व्याख्यान, सेमीनार और कार्यशालाओं के आयोजन को शामिल किया जाना चाहिए। इनसे विद्यार्थियों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन होगा और वृत्तिक संबंधी सही विकल्पों को चुनने में सहायता भी मिल सकेगी।

REFERENCES

1. Bawa, S. K. & Kaur, S. (2012). Manual for Career decision making scale CDMS-KS. National Psychological Corporation, Agra.
2. Bhalla, V. & Singh, K. (2018). Career Decision-Making Self-Efficacy and Decision-Making Style of Adolescent at Senior Secondary Level. International Research Journal of Human Resources and Social Sciences, 5(11), 141-145
3. Bheda, J. J. (2023). Lifestyle Among Male and Female Undergraduate College Students. International Journal of Social Impact, 8(1), 186-189.
4. Ganguli, S., Kulkarni, M. & Gupta, M. (2017). Predictors of Academic Performance among Indian Students. Social Psychology of Education, 20(1), 139–157.
5. Kariyappa, M. S. & Viswanathappa, G. (2021). A Study on Career Decision Making of Higher Secondary School Students of Demonstration School, Mysore. International Journal of Research in Social Sciences, 11(01), 87-93.
6. Kavi, A. & Walvekar, P. R. (2022). Lifestyle Factors Influencing the Academic Performance among the Secondary School Students in an Urban Area of South India. International Journal of Adolescent Medicine and Health, 34(5), 297-304.
7. Kirandeep, S. (2014). Manual for Career decision making scale CDMS-KS. National Psychological Corporation, Agra.
8. Kumar, V. V. & Tankha, G. (2020). Influence of Achievement Motivation and Psychological Adjustment on Academic Achievement: A Cross-sectional Study of School Students. Humanities & Social Sciences Reviews, 8(1), 532-538.
9. Rohit, V. K., & Makwana, S. M. (2015). A Comparative Study of Lifestyle and Academic Performance of Arts and Science College Students. International Journal of Indian Psychology, 4(1), 342-349
10. Sanneboyna, D. & Nethravathi (2018). Gender Differences in Career Decidedness among Pre-University Students. International Journal of Science and Research, 9(4), 1768-1774.
11. Subhrajyoti, T. (2023). Career Decision Making of Secondary School Students – A Critical Review. International Journal of Innovative Science and Research Technology, 8(2), 1112-1116.

मध्य भारती
मानविकी एवं समाजविज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका

MADHYA BHARTI
(UGC CARE Group-1, Multi disciplinary)

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आयाम शिक्षण में दक्षता प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन करना

Authored By

Dr. Hiteshwari Ravte
Assistant Professor, Education Department, Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg (CG),
(Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg)

Published in

Madhya Bharti -Humanities and Social Sciences
(मध्य भारती) मानविकी एवं समाज विज्ञान की द्विभाषी शोध-पत्रिका
: ISSN **0974-0066** with IF=6.28
Vol. 84, No. 3, July - December : 2023
UGC Care Approved, Group I, Peer Reviewed, Bilingual, Biannual,
Multi-disciplinary Referred Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
UGC
University Grants Commission

Chief Editor
प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा

Certificate No. SS/017/12/2023

IMPACT 2023 7.906 SJIF FACTOR

शोध समागम®

A DOUBLE BLIND, PEER-REVIEWED AND REFERRED QUARTERLY MULTI DISCIPLINARY AND BILINGUAL INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL

SHODH SAMAGAM A Double-Blind, Peer-Reviewed, Referred, Quarterly, Multi Disciplinary and Bilingual International Research Journal
ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (Print), RNI : CHHBIL/2018/77892
http/www.shodhsamagam.com

Certificate

This is to Certify that our Editorial, Advisory and Review Board has accepted research paper of Prof./ Dr./ Shri/ Smt. नीतू सिंह, रविन्द्र गुलाबराजी भेंडे from देव संस्कृति विश्वविद्यालय, ग्राम–सांकरा जिला–दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत. The Title of the paper is बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की सृजनात्मक शिक्षण अभिवृत्ति का उनके आत्मविश्वास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन. This is an original and innovative contribution, which is double blind peer reviewed and referred article. This paper has been published in **October to December 2023** issue.

Date : 26-12-2023

Dr. Shobha Agrawal
Editor In Chief

Mr. Ajay Kumar Agrawal
Director

Date 20/05/24

सूचना

समस्त छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 21/05/24 को महाविद्यालय के सभागार में Alumni Asso. की बैठक आयोजित की गई है जिसमें आप सभी सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है।

बैठक का समय - 1.00 से 2.00 तक

बैठक में चर्चा के मुख्य बिंदु :-

1.) पूर्व बैठक की समीक्षा

2.) आत्मनिर्भर भारत पर व्याख्यान हेतु पूर्व छात्राओं पर चर्चा।

3.) महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी पर पूर्व छात्राओं को आमंत्रित करने हेतु चर्चा

प्र. प्राचार्य
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

	नाम	हस्ताक्षर
1)	अध्यक्ष	नीलू सिंह
2)	उपाध्यक्ष	डॉ. आस्था सिजारिया
3)	कोषाध्यक्ष	श्रीमती नीलिमा लाखकार
4)	सचिव	संगीता वर्मा
5)	सहसचिव	नीलमणि त्रिपाठी

सदस्य	हस्ताक्षर
1) आरती सिंह	Aarti Singh
2) प्रीति खापर्डे	Preeti
3) प्रतिका त्रिपाठी	[illegible]
4) संगीता रानी मिश्रा	[illegible]
5) शकुंतला मारकंडेय	शकुन्तला
6) मोनिका सेन	Monika Sen

समीक्षा ⇒

महाविद्यालय के सभागार में Alumni Asso. की बैठक रखी गई जिसमें सभी सदस्य उपस्थित रहे। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय ने पूर्व बैठक की समीक्षा की एव आगे के कार्यों का ब्योरा देते हुए कहा कि महाविद्यालय में आत्मनिर्भर भारत व्याख्यान होने जा रहा है जिसमे हमारे महाविद्यालय के पूर्व छात्राओं को भी बुलाया जाना अनिवार्य है ताकि वह भी अपने रोजगार पर अधिक आत्मनिर्भर एव स्वावलम्बी बन सके एवं भारत और महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित कर सके। जिससे प्रेरित होकर और भी छात्राएं हर गतिविधि भाग ले सके जिसके लिए

सभी सदस्यों की सहमति बनी।

तत्पश्चात महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी पर चर्चा हुई जिसमें कहा गया कि राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्व छात्राओं को अधिक-अधिक संख्या में रजिस्ट्रेशन कराने एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए प्रेरित करने कहा गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से उन्हें ज्ञानवर्धक बातें एवं शिक्षा से जुड़े विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होगी जो उनके भविष्य के लिए लाभप्रद होगा। इस पर सभी सदस्यों की सहमति बनी।

इसके पश्चात और बहुत सी बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। अंत में कार्यक्रम की समाप्ति प्राचार्य महोदया एवं सभी सदस्यों द्वारा शांति पाठ से किया गया।

प्र.प्राचार्य
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

सूचना।

दिनांक - 12 June 2023

Anti Ragging committee के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि विश्वविद्यालय अनुदान द्वारा प्रेषित पत्र के आधार पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आदेशानुसार अब से Anti Ragging का फॉर्म soft copy online ही भरवाया जायेगा। महाविद्यालय की Anti Ragging संबंधी जानकारी पर चर्चा के लिए बैठक बुलाई गयी है। जिसमें दिनांक 13 June 2023 को सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

स्थान - प्राचार्य कक्ष   समय - 1:30 pm

दिनांक - 13 June 2023

प्राचार्य
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्या.
दुर्ग (छ.ग.)

बैठक संबंधी मुख्य एजेंडा

(1.) online आवेदन form only।

(2.) आफलाइन की प्रक्रिया पूर्णतः बंद।

उपस्थित सदस्यों के नाम	पद	सदस्य	हस्ताक्षर
1. श्रीमति नीतू सिंह	उपप्राचार्य	"	[signature]
2. डॉ. श्रीमति निशा श्रीवास्तव	प्राध्यापिका	"	Nisha
3. श्रीमति प्रीतिका ताम्रकार	सहा. प्राध्यापिका	"	[signature]
4. डॉ. श्रीमति तृप्ति खनंगा	"	"	[signature]
5. श्रीमति आस्था सिजारिया	"	"	Astha

सदस्यों के नाम	पद	सदस्य	हस्ताक्षर
6. श्रीमति संगीता वर्मा	सहा० प्राध्यापिका	सदस्य	[signature]
7. श्रीमति निशा साहू	-"-	सदस्य	[signature]
8. कुली सोनधारा	-"-	-"-	[signature]
9. मेनका देशमुख	-"-	-"-	[signature]

[signature]
Anju Devs
Anti Ragging
Incharge

[signature]
प्र. प्राचार्य
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

मिनट्स –

आज दिनॉक 13/06/23 को प्राचार्य कक्ष Anti Ragging committee की बैठक रखी गयी है। जिसमें सभी सदस्य उपस्थित है। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य महोदया ने UGC में आयोजित Anti Raggin online form soft copy के बारे में चर्चा की गयी। उनके द्वारा दिये गये वक्तव्य पर सख्ती से अनुपालन करने हेतु सभी प्राध्यापिकाओं को आदेश दिया। महाविद्यालय में किसी प्रकार की अवांछनीय घटनाओं द्वारा नहीं होनी चाहिए।

समीक्षा – आज प्राचार्य की अध्यक्षता में Anti Ragging की सभा सम्पन्न हुई। अध्यक्ष महोदय ने Anti Ragging online form soft copy जानकारी विश्व विद्यालय

Library Committee Member
[2023-2024]

1.⇒ श्रीमती आभारानी गुप्ता (उपाध्यक्ष, दयानंद शिक्षा समिति)

2.⇒ डॉ. मृदुला वर्मा (प्राचार्या)

3.⇒ डॉ. निशा श्रीवास्तव - (M.Ed. H.O.D)

4.⇒ श्रीमती आस्था सिंगारिया - (B.Ed. H.O.D)

5.⇒ श्रीमती स्टेला खनंग - (B.A. H.O.D)

6.⇒ जूली सोनछात्रा - (B.Com H.O.D)

7.⇒ श्रीमती किरण वैष्णव - (ग्रंथपाल)

8.⇒ ऐश्वर्या खरे - (छात्रा)

600
1159

सूचना क्रमांक 001

दिनांक – 27/07/2023

लाइब्रेरी कमेटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 28/07/2023 को प्राचार्य कक्ष में Library के संबंध में चर्चा के लिए बैठक रखी गई है जिसमें सभी सदस्यों की उपस्थिति अपेक्षित है।

बैठक समय – 12.30 pm दिनांक 28/07/2023

बैठक में चर्चा के मुख्य बिंदु:-

1. पिछले सत्र के क्रियाकलापों की चर्चा एवं आगामी सत्र की रूपरेखा।

2. लाइब्रेरी कमेटी पर चर्चा।

3. नवप्रवेशित छात्राओं के प्रवेश एवं उनके कार्ड बनाने संबंधी।

4. लाइब्रेरी बदलाव एवं सॉफ्टवेयर पर चर्चा।

Librarian
Ghanshyam Singh Arya
Kanya Mahavidyalaya
DURG (C.G.)

प्र. प्राचार्य
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

नाम	हस्ताक्षर
Dr. Nisha Shrivastava	Nisha
Abha Gupta	Abha Gupta
ASTHA SIJARIA	[signature]
Smt Trupti Khanang	[signature]
Julie Sonchhatra	Julie
Aishwarya Khare	Aishwarya Khare

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर -

नाम	हस्ताक्षर
Dr. Nisha Shrivastava	Nisha
Abha Gupta	Abha Gupta
ASTHA SIJARIA	[signature]
Smt Trupti Khemang	[signature]
Julie Sonchhatia	Julie
Aishwarya Khare	Aishwarya Khare

समीक्षा -

प्राचार्य कक्ष में बैठक रखी गई जिसमें लगभग सभी सदस्य उपस्थित रहे। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदया ने बैठक में ग्रंथालय के पिछले सत्र की क्रियाकलापों एवं गतिविधियों का ब्यौरा लिया एवं आगामी सत्र में होने वाली क्रियाकलापों के बारे में चर्चा की।

तत्पश्चात लाइब्रेरी कमेटी के संदर्भ में ग्रंथपाल के द्वारा बताया गया जिसमें ग्रंथालय में संग्रह बजट और शैक्षणिक प्रभागों और इकाईयों के बीच संसाधनों के वितरण पर विशेष ध्यान दिया जाता है इसके बारे में सारांश से बताया गया।

~~श्रीमती~~ तत्पश्चात दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता एवं प्राचार्या महोदया द्वारा नवप्रवेशित छात्राओं के प्रवेश संबंधी चर्चा हुई एवं सभी छात्राओं को लाइब्रेरी

कार्ड संकायवार बनाने हेतु चर्चा हुई। जिसमें कहा गया कि संकायवार छात्राओं के नाम की सूची सभी संकाय के H.O.D को देने कहा गया जिससे लाइब्रेरी में कार्ड बनाने में आसानी होगी। जिसमें सभी की सहमति बनी।

तत्पश्चात बैठक में चर्चा हुई कि ग्रंथालय में सॉफ्टवेयर लगने से छात्राओं का Issue एवं Return का कार्य सॉफ्टवेयर के द्वारा किया जायेगा जिससे छात्राओं के समय की बचत होगी एवं समय सारणी में बदलाव किये जाने संबंधी चर्चा हुई जिसमें सभी सदस्यों की सहमति बनी।

समय सारणी को ग्रंथपाल को सभी संकायवार H.O.D को भेजने कहा गया जिससे वे अपने Student Group में भेज सके। एवं कहा गया कि समिति अनिवार्यतः किसी भी कैलेंडर वर्ष के प्रथम सत्र में प्रथम बैठक रखी जाती है जिसमें सभी की सहमति प्रदान हुई।

तत्पश्चात प्राचार्या महोदया द्वारा कहा गया कि लाइब्रेरी में सभी Books में बारकोड लगाने संबंधी चर्चा हुई।

अंत में प्राचार्या महोदया एवं समिति के सभी सदस्यों द्वारा शांति पाठ के द्वारा बैठक की समीक्षा समाप्त की गई।

Librarian
Ghanshyam Singh Arya
Kanya Mahavidyalaya
DURG (C.G.)

प्र. प्राचार्या
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

सूचना

दिनांक :- 10-8-2023

कल्चरल कमेटी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 11-8-2023 दिन शुक्रवार को प्राचार्य कक्ष में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक रखी गई है। अतः आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

दिनांक - 11-08-2023
स्थान - प्राचार्य कक्ष
समय - 12:00 p.m

मुख्य बिन्दु पर चर्चा

(I) 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) बनाये जाने सम्बन्धी चर्चा।
(II) शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु चर्चा।

Pushpa
प्रभारी

प्राचार्य

नाम	सदस्य	हस्ताक्षर
डॉ॰ श्रीमती मृदुला वर्मा	प्राचार्य	[signature]
श्रीमती नीतू सिंह	सदस्य	[signature]
श्रीमती आस्था श्रीवास्तव	सदस्य	[signature]
श्रीमती तृप्ति रस्तोगी	सदस्य	[signature]
श्रीमती विभा शर्मा	सदस्य	

दिनांक - 11-08-2023 कल्चरल कमेटी की बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

नाम	हस्ताक्षर
डॉ श्रीमती मृदुला वर्मा	[signature]
श्रीमती ज्योति सिंह	[signature]
श्रीमती आभा बिजारिया	[signature]
श्रीमती तृप्ति रवांग	[signature]
श्रीमती विभा शर्मा	[signature]

मिनट्स ऑफ मीटिंग →

कल्चरल कमेटी की बैठक रखी गई जिसमें आप सभी उपस्थित लगभग रही। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय ने पूर्व बैठक की समीक्षा ली उसके पश्चात हर वर्ष की तरह इस वर्ष को 15 अगस्त के अवसर पर ध्वजा रोहण कार्यक्रम के समय का विशेष ध्यान देने को कहा गया तथा छात्राओं और प्राध्यापिकाओं की उपस्थिति अनिवार्य की गई है।

तत्पश्चात प्राचार्य महोदय ने शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के विषय पर चर्चा करते हुए कहा गया कि शिक्षक भविष्य का निर्माता होते हैं। अतः उनका सहसम्मान करना आवश्यक है। हर वर्ष कि तरह इस वर्ष भी महाविद्यालय में शिक्षक दिवस

मनोन की सहमति सद्भाव सभी
सदस्यों व प्राचार्य महोदय के द्वारा
सहमति बनी शांति पूर्ण के द्वारा
बैठक के समाप्ति की घोषणा की।

प्र. प्राचार्या
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महावि

प्रभारी
Dev Tripathi

प्राचार्य

ST, SC - समिति

2023 - 2024

दिन - शुक्रवार
Date - 01/09/2023

सत्र 2023-2024 के लिए ST, SC समिति का गठन किया गया। जिसमें निम्न सदस्यों को कार्यभार सौंपा गया -

नाम		हस्ताक्षर
1) डॉ. (श्रीमति) मृदुला वर्मा	-	[signature]
2) डॉ. (श्रीमति) निशा श्रीवास्तव	-	[signature]
3) श्रीमति विभा शर्मा	-	[signature]
4) श्रीमति सुरभा सिजारिया	-	[signature]
5) श्रीमति शांति खलखो	-	[signature]
6) श्री रविश अग्रवाल	-	[signature]
7) श्रीमति संगीता वर्मा	-	[signature]
8) कुमारी जूली सोनछात्रा	-	Julie
9) श्रीमति सौरभ साहू	-	Saurabh
10) स्वाति तिवारी	-	Tiwari

E-mail : gsakm1978@yahoo.com

धनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य नगर, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 491 001
(हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से संबद्ध व उच्च शिक्षा से अनुदान प्राप्त)
(Under section 2 (F) & 12-B of the UGC Act 1956)
(दयानंद शिक्षा समिति द्वारा संचालित पंजीयन क्र. 78 सन 1961)

पत्र क्रमांक ....

दिनांक 08/04/2023

प्रति,

श्रीमान / श्रीमती / डॉ ....

....

विषय : शासी निकाय की बैठक।

महोदय / महोदया

इस महाविद्यालय की शासी निकाय की बैठक दिनांक 08.04.2023 दिन शनिवार को महाविद्यालय परिसर में दोपहर 12.00 बजे आयोजित है। जिसमे आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय सूची :–

1. पिछली बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि।
2. शासी निकाय के सदस्य अध्यक्ष डॉ. श्री राघवेन्द्र गुप्ता सर जी का स्वागत।
3. डी.एल.एड SCERT के परमानेन्ट सहा.प्राध्यापको का अनुमोदन हेतु।
4. नये कोर्स की प्रक्रिया संबधी जानकारी।
5. बी.एड. की सीट वृद्धि हेतु आवश्यक कार्यवाही – 100 सीट
6. परिनियम–28 के अंतर्गत प्राचार्य एवं विभिन्न विषयों के सहा. प्रा. के साक्षात्कार हेतु।
7. भवन निर्माण संबधी
8. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।

अध्यक्ष के आदेशानुसार

08.04.23

सचिव

धनश्याम सिंह आर्य कन्या
महाविद्यालय, दुर्ग

शासी निकाय की बैठक

दिनांक 08/04/2023

बैठक में आमंत्रित सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम	हस्ताक्षर
01.	श्रीमान डॉ० राघवेन्द्रसिंह गुप्ता, अध्यक्ष शासी निकाय	Raghvendra [illegible]
02.	श्रीमती आभारानी गुप्ता, सदस्य शासी निकाय	Abha Gupta
03.	डॉ० श्रीमती मृदुला वर्मा, सचिव शासी निकाय	[illegible]
04	डॉ० श्रीमती निशा श्रीवास्तव, प्राध्यापक प्रतिनिधि सदस्य शासी निकाय	[illegible]
05	श्रीमती विभा शर्मा, प्राध्यापक प्रतिनिधि सदस्य शासी निकाय	[illegible]
06	श्रीमान डॉ. एस. सी. तिवारी शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग, वि० वि० प्रतिनिधि सदस्य	S.R 8.4.23
07	श्रीमान डॉ० सुरेश पटेल, शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव, वि० वि० प्रतिनिधि सदस्य	[illegible] 08.04.2023
08	अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा संचालनालय इन्द्रावती भवन, नया रायपुर, शासकीय प्रतिनिधि शासी निकाय	

आज दिनांक 08/04/2023 दिन शनिवार को दोपहर 12 बजे घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग की शासी निकाय की बैठक समिति के अध्यक्ष श्रीमान डॉ॰ राघवेन्द्र सिंह गुप्ता के अध्यक्षता में ईश प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुई।

क्र॰	प्रस्ताव	निर्णय
01	पिछली बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि।	सर्वसम्मति से पिछली बैठक की सम्पुष्टि सर्व सम्मत स्वीकृत।
02	शासी निकाय के सदस्य अध्यक्ष डॉ॰ श्री राघवेन्द्र गुप्ता सर जी का स्वागत।	शासी निकाय के सभी सदस्यों द्वारा डॉ॰ श्री राघवेन्द्र सिंह गुप्ता अध्यक्ष एवं श्रीमती आभारानी गुप्ता का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया।
03	डी॰ एल॰ एड॰ SCERT के परमानेन्ट सहा॰ प्राध्यापकों का अनुमोदन हेतु।	डी॰ एल॰ एड॰ SCERT से प्राप्त अनुमोदित सूची के अनुसार सहा॰ प्राध्यापिकाओं का अनुमोदन किया गया सूची सर्वसम्मत से स्वीकृत।
04	नये कोर्स की प्रक्रिया संबंधी जानकारी।	नये कोर्स जैसे एम॰ एस॰ डब्लू॰ एम॰ काम पाठ्यक्रम खुलने एवं पी॰ जी॰ डी॰ सी॰ ए॰ में सीट वृद्धि हेतु आवेदन दिया गया था जो स्वीकृत हुआ तथा उच्च शिक्षा विभाग से निरीक्षण भी पूर्ण हो चुका है। आदेश प्राप्त होते ही प्रवेश प्रारंभ कर दिया जायेगा निर्णय सर्वसम्मत स्वीकृत।
05	बी॰ एड॰ की सीट वृद्धि हेतु आवश्यक कार्यवाही—100 सीट	बी॰ एड॰ की सीट वृद्धि हेतु चर्चा की गई जिसकी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है भविष्य में

क्र.	प्रस्ताव	निर्णय
		सीट वृद्धि की अनुमति मिलने की पूर्ण संभावना है। निर्णय सर्वसम्मत स्वीकृत।
06	परिनियम 28 के अंतर्गत प्राचार्य एवं विभिन्न विषयों के सहा. प्राध्यापक के साक्षात्कार हेतु।	परिनियम 28 के अंतर्गत प्राचार्य एवं विभिन्न विषयों के सहा. प्राध्यापक के साक्षात्कार के लिए दिनांक 28/04/2023 को कराने का निर्णय सर्वसम्मत स्वीकृत।
07	भवन निर्माण संबंधी।	शिक्षा संस्थान के भवन के प्रथम तल के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है निर्णय सर्वसम्मत स्वीकृत।
08	अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।	
(अ)	बी.ए. बी.काम के प्रवेश संबंधी चर्चा।	बी.ए. बी.काम की प्रवेश हेतु बड़े स्तर पर प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है एवं 12 वीं के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क बहुत सारे कार्यक्रम कराने की सलाह दी गई जिससे आकर्षित होकर छात्रायें महाविद्यालय में अधिक से अधिक प्रवेश ले। निर्णय सर्वसम्मत स्वीकृत।
(ब)	भुवनेश साहू की जगह रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु चर्चा।	भुवनेश साहू को निलंबित कर दिया गया है जिसकी पुष्टि अंतरंग सभा की बैठक

क्र.	प्रस्ताव	निर्णय
		दिनांक 26/02/2023 में हो चुकी है। तथा रिक्त स्थान की पूर्ति को आगामी सामान्य सभा में प्रस्तुत करने का निर्णय सर्वसम्मत पारित।

अन्य कोई विषय नहीं होने के कारण शांतिपाठ के साथ बैठक समाप्त की गई।

Raghunandan [signature]
अध्यक्ष
शासी निकाय
पं. सि. आ. कु. महा. दुर्ग

[signature]
सचिव
शासी निकाय
पं. सि. आ. क. महा. दुर्ग

ओ३म्

फोन/फैक्स नं. : 0788-2216599, 7389568394
Website : www.gsakm.com
E-mail : gsakm1978@yahoo.com

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय

आर्य नगर, दुर्ग (छत्तीसगढ़) 491 001
(हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से संबद्ध व उच्च शिक्षा से अनुदान प्राप्त)
(Under section 2 (F) & 12-B of the UGC Act 1956)
(दयानंद शिक्षा समिति द्वारा संचालित पंजीयन क्र. 78 सन 1961)

प्रकाश, जो अंधकार को नष्ट करता है।

पत्र क्रमांक : .....

दिनांक : .....

प्रति,

श्रीमान / श्रीमती / डॉ. .....

.....

विषय : शासी निकाय की बैठक।

महोदय / महोदया,

इस महाविद्यालय की शासी निकाय की बैठक दिनांक 16.08.2023 दिन–बुधवार को महाविद्यालय परिसर में दोपहर 03:00 बजे आयोजित है। जिसमें आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय सूची :–

1. पिछली बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि।
2. नये कोर्स की प्रक्रिया संबंधी जानकारी – एम.ए. इंगलिश, योग शिक्षा
3. भवन निर्माण संबंधी चर्चा एवं निर्णय।
4. प्रवेश संबंधी चर्चा एवं निर्णय।
5. नये सहा.प्राध्यापकों की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया प्रारंभ।
6. नया कोर्स एम.कॉम., एम.एस.डब्ल्यू, सीट वृद्धि – कम्प्यूटर विभाग संबंधी चर्चा।
7. DCA, PGDCA एवं D.El.Ed. की ऑनलाईन क्लास के संबंध में।
8. अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से।

अध्यक्ष के आदेशानुसार

सचिव
घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग